उत्तर प्रदेश में कृषि व्यवसाय परियोजना शुरू की जाएगी

चर्चा में क्यों?

उत्तर प्रदेश सरकार ग्रामीण आय को बढ़ावा देने के उद्देश्य से **विश्व बैंक** द्वारा **वित्त पोषित** 4,000 करोड़ रुपए की **कृषि व्यवसाय और उद्यमिता परियोजना** शुरू करने की तैयारी कर रही है।

मुख्य बिंदु

- इस पहल से पूर्वी उत्तर प्रदेश और **बुंदेलखंड क्षेत्र** के 28 ज़िलों के किसानों, कृषि समूहों तथा कृषि **सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों (MSME)** को लाभ होगा।
- अनुमान है कि इस परियोजना से दस लाख किसानों को लाभ मिलेगा, जिनमें कृषि **स्वयं सहायता समूहों (SHG)** से जुड़ी 30% ग्रामीण महिलाएँ भी शामिल हैं।
    - परियोजना के तहत 100,000 मछुआरों को वित्तीय सहायता प्रदान की जाएगी
    - इसके अतिरिक्त, 500 किसानों को उन्नत कृषि तकनीकों के प्रशिक्षण के लिये अंतर्राष्ट्रीय दौरों पर भेजा जाएगा।
- सरकार **उच्च उपज देने वाली बीज किस्मों** और कृषि बुनियादी ढाँचे में निवेश करने, कृषि क्षेत्र के लिये एक डिजिटल प्लेटफॉर्म विकसित करने तथा किसानों की आय बढ़ाने के लिये **कार्बन क्रेडिट बाज़ार** का लाभ उठाने में उनकी सहायता करने की आशा रखती है।

कार्बन बाज़ार

- **कार्बन बाज़ार मूलतः कार्बन उत्सर्जन पर मूल्य निर्धारण करने का एक साधन है -** वे व्यापार प्रणालियाँ स्थापित करते हैं जहाँ कार्बन क्रेडिट या अनुमतियाँ खरीदी और बेची जा सकती हैं।
    - कार्बन क्रेडिट एक प्रकार का **व्यापार योग्य परमिट** है, जो **संयुक्त राष्ट्र** के मानकों के अनुसार, वायुमंडल से **एक टन कार्बन डाइऑक्साइड को हटाने**, कम करने या पृथक करने के बराबर होता है।
    - इस बीच, कार्बन अनुमतियाँ या सीमाएँ, **देशों या सरकारों द्वारा** उनके उत्सर्जन कटौती लक्ष्यों के अनुसार **निर्धारित** की जाती हैं।
    - कार्बन ट्रेडिंग की औपचारिक शुरुआत संयुक्त राष्ट्र के **क्योटो प्रोटोकॉल** के तहत वर्ष 1997 में हुई थी।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/uttar-pradesh-to-launch-agriculture-business-project